जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 191 प्रभात कोटा, गुरुवार 25 अप्रेल, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'फोन टैप्पिंग के ऑडियो टेप मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिले थे, बल्कि खुद गहलोत ने दिये थे'

पूर्व मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा ने कहा कि, गहलोत ने मुझे एक पैन ड्राइव देकर ऑडियो वायरल करने व मीडिया में चलाने के लिए कहा था

- लोकेश शर्मा ने बुधवार को जयपुर में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस कर फोन टैपिंग, भ्रष्टाचार और पायलट व गजेन्द्र सिंह शेखावत को बदनाम करने की साजिशों का खुलासा किया।
- लोकेश शर्मा ने कहा कि, मुख्यमंत्री हाउस पर यही षड्यंत्र रचा जाता था कि, गजेंद्र सिंह और सचिन पायलट को किस तरह से नीचा दिखाया जाए। कैसे जनता के सामने उनकी छवि खराब की जाए। इसलिए संजीवनी से जुड़े लोगों को बुलाया जाता था। उनके वीडियो बनाकर लगातार चलाये जाते थे।
- शर्मा ने बताया, ''पायलट के साथ गये लोगों के फोन सर्विलांस पर थे और सभी को ट्रैक किया जा रहा था।''
- लोकेश शर्मा ने 25 सितम्बर 2002 के प्रकरण पर बताया कि, ''25 सितंबर को गहलोत ने मुझे कॉल किया और कहा कि, मीडिया में यह खबर चलवाओ कि, ये जो विधायक धारीवाल के घर पर एकत्र हैं, इनकी एक ही मांग है कि, हममें से किसी को भी मुख्यमंत्री बनवा दो, सचिन पायलट नहीं चलेगा।''

जयपुर, 24 अप्रेल (का.सं.)। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय हुए फोन टैपिंग मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा ने बुधवार को गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि ''फोन टैपिंग के ऑडियो टैप मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिले थे बल्कि अशोक गहलोत ने खुद मुझे पेन ड्राइव के जरिये ऑडियो क्लिप दी थी और वायरल करने को कहा था।'' लोकेश शर्मा ने इसके अलावा संजीवनी घोटाला, पेपर लीक, ग्रामीण और शहरी ओलंपिक, करोना में मेडिकल संसाधन खरीद में हुए भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए।

लोकेश शर्मा ने समूचे प्रकरण का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा, राजस्थान में साल 2020 में सियासी संकट के समय गहलोत सरकार पर फोन टैप करने के आरोप लगे थे। उस समय कुछ ऑडियो भी सामने आए थे। लोकेश शर्मा ने कहा कि 16 जुलाई

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा के लिए केरल जीतना अभी भी मुश्किल

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। केरल में चुनाव प्रचार का आज पटाक्षेप हो गया। यहां की 20 लोकसभा सीटों पर आगामी 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। भाजपा लंबे समय से यहां जमने को प्रयासरत है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई बार केरल के दौरे किए ताकि भाजपा जीत सके। एक बार तो ऐसा लगा भाजपा को सफलता मिलेगी

- हालांकि, इस बार भाजपा ने केरल में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल की कई यात्राएं की हैं, फिर भी भाजपा की सफलता संदिग्ध ही है।

पर अब लगता है कि परिस्थितियां भाजपा के एकदम प्रतिकूल हैं।

सम्पूर्ण प्रदेश के चुनावी सर्वेक्षणों का संकेत यह है कि, इस बार भी केरल में भाजपा का खाता शून्य ही रहेगा। स्थानीय चुनाव सर्वेक्षणों के अलावा, प्रतिष्ठित मातृभूमि मीडिया ग्रुप का आकलन भी भगवा पार्टी को संदेहास्पद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सैम पित्रोदा ने फिर कांग्रेस के लिये बवाल खड़ा किया

पित्रोदा ने कहा, अमेरिका का ''विरासत कानून'' (इनहैरिटेंस लॉ) विचार करने योग्य व्यवस्था है, जिसके अनुसार मृत्यु के बाद व्यक्ति अपनी 45 प्रतिशत सम्पत्ति अपने उत्तराधिकारी को दे सकता है, बाकी 55 प्रतिशत सम्पत्ति सरकार को मिलती है

- प्र.मंत्री मोदी ने पित्रोदा व राहुल की ''इनहैरिटैंस लॉ'' की पैरवी पर तीखी टिप्पणी की कि, कांग्रेस पार्टी अपने कोष को भरना चाहती है और नये टैक्स लगाकर, और किसी भी व्यक्ति को अपने पसीने की कमाई को उसके वारिस तक पहुंचने में दिक्कतें पैदा करना चाहती है।
- प्र.मंत्री मोदी ने और तीखा कटाक्ष करते हुए यह भी कहा, ''कांग्रेस का मंत्र है, लूटो जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी।''
- कांग्रेस ने पित्रोदा की टिप्पणी से दूरी बनायी और राहुल ने भी यू-टर्न लिया और कहा, ''मैंने तो केवल सर्वे कराने की बात कही थी, अतिरिक्त सम्पत्ति वितरण की बात नहीं कही थी।''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। सैम पित्रोदा की इनहैरिटैंस लॉ (विरासत कानून) पर टिप्पणियों ने भाजपा नेताओं को उत्साहित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि, नए टैक्स लगाकर वो अपनी तिजोरी भरना चाहती है और यह भी नहीं चाहती कि, लोग अपनी गाढ़ी कमाई को अपने बच्चों के लिए छोड़कर जाएं।

कांग्रेस ने यद्यपि, पित्रोदा की टिप्पणियों से किनारा कर लिया है, वहीं, स्वयं राहुल गांधी ने ''सम्पत्ति सर्वे और पुनर्वितरण योजना'' पर यू-टर्न ले लिया प्रतीत होता है, यह कहते हुए कि, उन्होंने यह नहीं कहा था कि, अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह एक्शन लेगी। उन्होंने कहा, ''मैं केवल इतना कह रहा हूँ, हम यह पता करें कि कितना अन्याय हुआ है।'' पित्रोदा जो कि, इण्डियन ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, ने कहा कि, उनके कथन को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और इसका कांग्रेस पार्टी या उसके घोषणा पत्र से कोई लेना-देना नहीं है। 81 वर्षीय पित्रोदा ने एक हालिया साक्षात्कार में कहा था कि, अमेरिका में विरासत कानून (इनहैरिटैंस लॉ) एक दिलचस्प कानून है, जिसके ऊपर वाद-विवाद और चर्चा की जा सकती है।

अमेरिका के विरासत कानूनों के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव व भगवत गीता

जॉन.एफ. कैनेडी के भतीजे व रॉबर्ट कैनेडी के पुत्र रॉबर्ट कैनेडी जूनियर ने एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति के चुनाव का पर्चा भरा है

- अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव आम तौर पर दो बड़ी पार्टियों, रिपब्लिकन व डैमोक्रेटिक पार्टी तक सीमित रहता है और निर्दलीय उम्मीदवार का कोई महत्व नहीं रहता।
- कैनेडी परिवार प्रारंभ से ही डैमोक्रेटिक पार्टी का समर्थक रहा है, अतः रॉबर्ट कैनेडी जूनियर (आर.के.एफ.) का डैमोक्रेटिक पार्टी, चुनाव लड़ना काफी अटपटी बात है। परिवार को भी यह इतना अरूचिकर लगा कि, उसने इस मुद्दे पर आर.के.एफ. से नाता तोड़ लिया।
- द इकॉनामिस्ट को इन्टरव्यू में आर.के.एफ. ने कहा, अपने परिवार के खिलाफ चाचा, ताऊ, भाइयों के खिलाफ चुनाव लड़ने की प्रेरणा, उन्हें भगवत गीता व अर्जुन से मिली है। जैसा श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाया था, उसे अपने प्रियजनों के खिलाफ लड़ने में कोई ग्लानि नहीं होगी, क्योंकि यह उसका धर्म है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अप्रेल। रॉबर्ट जे. ऑपनहाइमर भगवद् गीता से प्रेरित थे, टी.एस. एलियट इसके श्लोकों से मंत्रमुग्ध थे, और अब वाइट हाउस की आकांक्षा रखने वाले एक निर्दलीय उम्मीदवार ने खुलासा किया है कि वह भी भगवद् गीता से प्रेरित होकर अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव मैदान में उतारने का करने को कृतसंकल्पित है।

अमेरिका के प्रसिद्ध राष्ट्रपति रहे जॉन एफ. कैनेडी के भतीजे एवं रॉबर्ट कैनेडी, सीनियर के पुत्र रॉबर्ट एफ. कैनेडी ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए निर्दलीय तौर पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पहले डैमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन लेने की कोशिश की थी, लेकिन वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की राह आसान करने के लिए उन्हें रोक दिया गया था।

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, रॉबर्ट कैनेडी जूनियर राजनीतिक रुप से

(शेष पृष्ठ 5 पर)